घूंघटियो म्हारो श्याम उठावे | By Sunita Goyal

मेरा सांवरा, मेरा सांवरा
है जग का पालनहार...2

घूँघट काढ़ के जावांगा म्हे तो बाबा के दरबार
घूँघट से ही निरखा बाबा थाने बारम्बार

श्याम धणी म्हारो चाँद को टुकड़ो
देखता ही मिट जावे दुखडो 3
सोनो सोनो म्हारो श्याम सोनो है श्रृंगार
घूँघट से ही निरखा बाबा थाने बारम्बार

नज़र सु नज़र अगर मिल जावे
आंख्या से आंसू छलक ही जावे....३
ज्यादा गौर स्यूं देख्यां तो म्हाने हो जावेगो प्यार
घूँघट से ही निरखा बाबा थाने बारम्बार

रह रह कर म्हारे मन में आवे
घूंघटियो म्हारो श्याम उठावे.....३
मोहित सोच के हर्षावा म्हारी सुणले यो पुकार
जीवन को यो सुपनो म्हारो हो जावे साकार

मेरा सांवरा, मेरा सांवरा
है जग का पालनहार...2

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%98%e0%a5%82%e0%a4%82%e0%a4%98%e0%a4%9f%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a5%8b-%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%8b-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%89%e0%a4%a0/